

दिख
म

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

4/24

पत्रावली पेश हुई / अधिवक्तामण
न्यायिक कार्य स्थगित रखा / P.O. २
सीडिंग / ४/२४ / जयपुर में। पत्रावली
वास्तो ७६५ दिनांक 20/4/24
को पेश हो। 6

७/५/२४

पत्रावली पेश हुई / अधिवक्तामण
न्यायिक कार्य स्थगित रखा / P.O. २
सीडिंग / ७/५/२४ / जयपुर में। पत्रावली
वास्तो ७६५ दिनांक 25/4/24
को पेश हो। 7

३/५/२४. पत्रा. पेश।

वारी ने वाद धारा ८८ व ८९ अ.
अध के तहत पेश किया है।
वादी का कथन है कि
जमाबंदी संख्या ८३ संवत् २०७१-७४
खसरा न. ५३१ में देवा पुत्र
धरना जाति मोगिया (मोग्या)
व जमाबंदी संख्या ८७ संवत्
२०७१-७४ खसरा १७, १८, ७
में देवीलाल पुत्र धरना जाति
मोगिया के खाते हैं परंतु
वादी का असली नाम देवीलाल
पुत्र धरना जाति बागरी है।
अतः वादी का अतिपूर्ण दर्ज नाम
के बजाय वादी का वास्तविक
नाम राजस्व रिकार्ड में
दर्शाया जाए।

चे.
उपजज अधिकारी
जयपुर

TDR की रिपोर्ट की बादी मीठिया
जाति (जो S.C. वर्ग में नहीं
माली) उसे ~~बदलना~~ बागरी
में बदलना चाहते हैं जो S.C.
वर्ग में आते हैं उक्त जाति
शूलवश दर्ज नहीं की गई है
बादी का कथन है कि उक्त आराजी
पैदा है परन्तु बादी द्वारा कोई
दस्तावेज़ पैदा नहीं किया गया
जिससे यह साबित हो सके कि
इतकाल के समय या उसके
बाद बादी का नाम त्रुटिपूर्ण
दर्ज किया गया।

तनकीवार निम्न प्रकार से
हैं -

बादी तनकी 1 व 2 को साबित
नहीं कर पाया है। कोई ऐसा
दस्तावेज़ पैदा नहीं है जिससे
यह ज्ञात हो बादी के पिता
व उनकी जाति त्रुटिपूर्ण दर्ज
की गई है।

तनकी 3 प्रतिबादी के पत्र में
जाली है।

दस्तावेजों के अभाव में यह
साबित नहीं किया जा सकता

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

राजस्व रिक्वाइट में अंकन
करने में कोई त्रुटि हुई
है।

अतः वाद वादी खारिज किया
जाता है।

निर्णय आज दिनांक 27/4/26
से सुनाया गया।



che
उपखण्ड अधिकारी
रामगंजमण्डी